	पाठ–20 **मैं जीती**	1.सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देना। 2.हीन भावना को जीवन में न पनपने देने की शिक्षा देना। 3.विपरीत परिस्थितियों का बहादुरी,होशियारी व लगन से सामना करने की प्रेरणा देना। 4.अपाहिज होने से भी हिम्मत रखने और कुछ विशिष्ट करने की भावना विकसित करना। 5.दूसरों की मदद करने की प्रेरणा देना।	1. विद्यार्थियों से पूछा जाये कि आपका विश्वास कौन बढ़ाता है ।कक्षा में इस सम्बन्ध में विद्यार्थियों के विचार जानें। 2.यदि किसी विद्यार्थी ने इस तरह किसी की जान बचाई हो तो उसकी चर्चा कक्षा में की जाये। 3.विद्यार्थियों को जानकारी दी जाये कि समाज में अद्भुत बहादुरी दिखाने वाले को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाता है।उन्हें गणतंत्र दिवस पर ऐसे कार्यक्रम देखने को कहें।
	व्याकरण : शुद्ध–अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य–पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर बच्चों को शुद्ध –अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे	व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना।	1.बारी–बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन–2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1. उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों क अभ्यास करवाये जायें।
2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ–साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।
3. छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।
4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।

मासिक पाठ्यकम, सत्र : 2016-17
कक्षा : आठवीं
विषय : हिंदी

महीना	विषय वस्तु	उद्देश्य	प्रस्तावित कियाएं
अप्रैल	पाठ-1 : हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.उनकी अनुभूति और कल्पना शक्ति का विकास करना। 3.जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देना। 4.हमेशा हिम्मत से काम करने योग्य बनाना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.ऐसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरक प्रसंग सुने/सुनाए जायें,जिन्होंने संघर्षों से भरा जीवन जीते हुए अपार सफलता पाई और जो आज सभी के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं।
	पाठ-2 पिंजरे का शेर	1.छात्रों की कल्पना शक्ति तथा तर्क शक्ति का विकास करना। 2.हिम्मत व होशियारी से कार्य करने के लिए प्रेरित करना। 3.विवेकशील और आत्मविश्वासी बनने की प्रेरणा देना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1. छात्रों को चन्द्रगुप्त और चाणक्य के प्रेरक प्रसंग सुनाए जायें जिनसे वे प्रेरणा ले सकें। 2.छात्रों के जीवन में घटित हूए ऐसे प्रसंग हिंदी में सुने जायें जिनमें उन्होंने ऐसी चतुराई/विवेकशीलता का परिचय दिया हो।
	व्याकरण : संज्ञा एवं उसके भेदों की पहचान	1.संज्ञा शब्दों की पहचान कराना। 2. अनुकरण करते हुए व्यक्तिवाचक एवं जातिवाचक संज्ञा शब्दों को बोलना,पढ़ना और लिखना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से संज्ञा शब्द रेखांकित करवाए जायें । 4.अन्त्याक्षरी के माध्यम से भी संज्ञा सम्बन्धी ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : लिंग परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना। 2.शब्दभंडार में वृद्धि करना। 3.लिंग परिवर्तन का ज्ञान देना ।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन से कुछ शब्द देकर छात्रों को लिंग परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द भंडार मे वृद्धि करने हेतु लिंग परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं लिंग परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' 'सही या गलत' अथवा अन्य किसी गतिविधि का प्रयोग करके भी लिंग परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण	1.शब्द भंडार में वृद्धि करना। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम व विशेषण, क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा भाववाचक संज्ञा निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.भाववाचक संज्ञा निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं भाववाचक संज्ञा निर्माण सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।

	प्रार्थना पत्र : स्कूल में पीने के पानी का समुचित प्रबन्ध करने के लिए मुख्याध्यापिका को प्रार्थना पत्र ।	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.नेतृत्व की भावना जागृत करना। 5.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : प्रात:काल की सैर	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.प्रकृति से निकटता स्थापित करने हेतु उन्हें प्रात:काल की सैर का महत्व बताना। 3. अच्छे स्वास्थ्य का महत्व बताना।	1.प्रात:काल के वातावरण जैसे पक्षियों का चहचहाना,स्वास्थ्य के प्रति सचेत लोगों का व्यायाम करना आदि के बारे में छात्रों को हिंदी में बोलने, पढ़ने के अवसर दिए जायें। 2.प्रात:काल की सैर के लाभों के बारे में सभी छात्रों से बारी- बारी हिंदी में बोलने के लिए कहा जाये। 3.प्रात:काल से सम्बन्धित चित्र भी बनवाया जा सकता है।
मई	**पाठ -3** मैट्रो रेल का सुहाना सफर	1.छात्रों को यातायात के आधुनिक संसाधनों की जानकारी देते हुए मैट्रो रेल व इसके संचालन से अवगत कराना। 2.उनकी अनुभूति कल्पना शक्ति और भाषा कौशलों का विकास करना। 3.रेलवे से सम्बन्धित प्लेटफार्म जैसे व्यावहारिक शब्दों का ज्ञान देना। 4.अत्याधुनिक भारत का परिचय देना। 5.बुलेट प्रूफ रेलगाड़ियों की चर्चा करना। 6. प्लेटफार्म, ट्रेन आदि स्थानों पर साफ-सफाई रखने की प्रेरणा देना।	1.मेट्रो रेल से संबंधित कोई वीडियो भी दिखायी जा सकती है । 2. छात्रों से स्वचालित प्रवेश द्वार, लिफ्ट,वातानुकूलित ट्रेन आदि के बारे में बताया जाये और उनके अनुभवों को भी हिंदी में सुना जाये। 3.भारत की राजधानी दिल्ली,लाल किला आदि पर भी चर्चा की जाये ।
	व्याकरण : सर्वनाम एवं उसके भेदों की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को सर्वनाम शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सर्वनाम शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा सर्वनाम की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा संज्ञा शब्दों के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग करना सिखाया जाये।
	व्याकरण : वचन परिवर्तन	1.छात्रों के व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना। 2.शब्द- भंडार मे वृद्धि करना । 3.वचन परिवर्तन का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा छात्रों को वचन परिवर्तन का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. शब्द -भंडार मे वृद्धि करने हेतु वचन परिवर्तन सम्बन्धी चार्ट /मॉडल बनवाये जायें। 3.इंटरनेट से अथवा स्वयं वचन परिवर्तन सम्बन्धी वीडियो सामग्री तैयार करके इसका समुचित ज्ञान दिया जा सकता है। 4. 'मिलान करो' 'सही या गलत' अथवा अन्य किसी गतिविधि का प्रयोग

			करके भी वचन परिवर्तन का समुचित ज्ञान दिया जा सकता है।
	पाठ-4 : राखी की चुनौती	1.कविता वाचन के ढंग से अवगत कराना और सरलार्थ करने के योग्य बनाना । 2.देश भक्ति के भाव उत्पन्न कराना । 3.राखी के पर्व की पवित्रता एवं महत्व बताना। 4.पारिवारिक रिश्तों का महत्व बताना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा का प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ तथा प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-5 शायद यही जीवन है	1.छात्रों की संवेदनशीलता का विकास करना और उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं से जोड़ना । 2.प्रकृति से छात्रों का सम्बन्ध स्थापित करना और पशु-पक्षियों के जीवन यापन को निकटता से देखने की प्रेरणा देना।	1. छात्रों को पूछा जाये कि क्या आपने किभी पक्षियों को खाना/पानी आदि दिया है । यदि हाँ ,तो उस अनुभव को कक्षा में बाँटा जाये। 2. छात्रों को अपने किसी पालतू पशु-पक्षी की गतिविधियों पर अपना अनुभव हिंदी में सुनाने/ लिखने को कहा जाये।
	निबन्ध : मेरा प्रिय खेल	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. शब्द-भंडार मे वृद्धि करना । 3.खेलों के प्रति लगाव पैदा करना। 4.प्रिय खेल के बारे में अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1. छात्रों से उनके प्रिय खेल के बारे में जाना जाये और उन्हें लिखने से पूर्व बोलने के अवसर दिए जायें कि उन्हें कोई खेल क्यों पसंद है। 2.छात्रों को मेरा प्रिय मित्र/ खिलाड़ी आदि पर भी कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा जा सकता है।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2. शब्द-भंडार मे वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	फारमेटिव-1 मूल्यांकन		
जून	**ग्रीष्मावकाश के दौरान अध्यापक अपनी सुविधानुसार विद्यार्थियों को कोई न कोई रचनात्मक कार्य दे सकते हैं।**		
जुलाई	**पाठ - 6** नील गगन का नीलू	1.सैनिकों के जीवन में आने वाली मुश्किलों के बारे में बताना और उनकी कुर्बानियों को नमन करना सिखाना। 2. बच्चों के मन में देश प्रेम की भावना पैदा करना।	1.छात्रों से सैनिक बनकर देश की सेवा करने के बारे में हिंदी में बोलकर / लिखकर विचार जाने जायें। 2.देश पर कुर्बान होने वाले सैनिकों की जीवनियाँ पढ़ने को दें और उनसे मिलने वाली प्रेरणा को कक्षा में साँझा करें।
	व्याकरण भाग : 'र' के विविध रूप और प्रयोग	1.शब्दावली में बढ़ोतरी करना और वर्तनी में शुद्धता लाना । 2.हिंदी सम्बन्धी मिथ्या अवधारणाओं को दूर करना। 3. 'र' के विविध रूपों और उनके प्रयोगों का उच्चारण व लेखन दृष्टि से अभ्यास कराना।	1.'र' के विविध रूप और प्रयोगों का अभ्यास करवाकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण लिखने को कहा जाये। 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति/ मिलान करो आदि द्वारा 'र' के विविध रूपों का ज्ञान दिया जाये।

	पाठ - 7 नवयुवकों के प्रति	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.बच्चों को ज़िंदगी में संभल कर चलने के लिए प्रेरित करना । 3.सत्संगति की प्रेरणा देना। 4.धार्मिक साहित्य पढ़ने की प्रेरणा देना। 5.संयमित जीवन जीने की ओर उन्मुख करना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.भक्त प्रह्लाद की जीवन गाथा से परिचित कराया जाये। 5.छात्रों से जाना जाये कि वे देश का उत्थान कैसे करना चाहते हैं।
	पाठ-8 प्रेरणा	1.जीवन की सच्चाइयों से परिचित कराते हुए शिक्षा का महत्व बताना । 2.परोपकार के लिए प्रेरित करना।	1.अपने आस पास सोसाइटी में चल रहे पढ़ाई,सिलाई कढ़ाई आदि केन्द्रों की जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा जाये और उन केन्दों का प्रचार करने के लिए कहें। 2.अपने आस-पास शाम को खाली समय में बेघर गरीब बच्चों को जाकर पढ़ाई-सफाई आदि के बारे में जाकर बताने के लिए कहा जाये। 3.मदर टेरेसा की जीवनी से प्रेरक प्रसंग सुनाये जायें।
	व्याकरण : विपरीतार्थक शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना 3.विपरतार्थक शब्दों का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्दों द्वारा छात्रों को विपरीतार्थक शब्दों का ज्ञान देकर उन्हें अधिकाधिक उदाहरण स्वयं लिखने के अवसर दिये जायें। 2. विपरीतार्थक शब्दों का चार्ट / मॉडल भी तैयार करवाया जा सकता है।
	निबन्ध : शहीद भगत सिंह	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 3.बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित करवाना । 4. देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना । 5. महान भगत सिंह के जीवन चरित एवं उनकी कुर्बानी से परिचित कराना।	1.छात्रों से उनके प्रिय नेता के बारे में जाना जाये और उन्हें लिखने से पूर्व बोलने के अवसर दिए जायें कि उन्हें नेता क्यों पसंद है। 2.छात्रों को भगत सिंह की धारणा का ज्ञान दिया जाये। 3.छात्रों को भगत सिंह के लेखों से परिचित कराया जाये। 4.छात्रों को शहीद भगत सिंह के जन्म स्थल/शहीदी स्थल के दर्शन करवाये जायें। 5.अन्य शहीदों जैसे-करतार सिंह सराभा, शहीद ऊधम सिंह,चन्द्रशेखर आज़ाद आदि की भी जानकारी दी जाये।
	प्रार्थना पत्र : स्कूल **छोड़ने पर** मुख्याध्यापक को प्रार्थना पत्र	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जा सकता है। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द-भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और

		विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा का प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करना सिखाना।	प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
अगस्त	पाठ -9 मन के जीते जीत	1.अपनी कमज़ोरियों को वश में करने /उनका सामना करने की प्रेरणा देना। 2.छात्रों में साहस और आत्मविश्वास पैदा करना। 2.महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा देना। 3.सकारात्मकत जीवन जीने की प्रेरणा देना।	1.कक्षा में ऐसे अन्य विकलांग लोगोंकी चर्चा की जाये जिन्होंने विकलांग होते हुए भी जीवन में अपार सफलता प्राप्त की । ऐसे लोगों के चित्र इकट्ठे करके स्कूल के समुचित स्थान पर लगाये जायें। 2.मन के जीते जीत,मन के हार है-पर कक्षा/स्कूल में भाषण प्रतियोगिता करवायी जाये।
	पाठ -10 रब्बा मींह दे, पानी दे	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2. छात्रों में कल्पना शक्ति ,तर्क शक्ति,अवलोकन एवं निरीक्षण क्षमता का विकास करना। 3. छात्रों में प्रकृति के प्रति लगाव उत्पन्न करना। 4.पानी की बचत करना सिखाना।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4. छात्रों से प्रकृति से सम्बन्धित उपादानों जैसे- बादल, पेड़, सूरज, नदी ,पहाड़, झरने आदि पर कोई कविता वाचन /गायन/ लेखने के अवसर प्रदान किये जायें। 5.पानी बचाने के उपाय छात्रों से लिखवाये जायें।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2. शब्द-भंडार में वृद्धि करना ।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण : कारक की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.कारकों व उसके भेदों की पहचान करवाना।	1.वाक्य देकर उनमें से रेखांकित किए गए शब्दों में कारक बताने के लिए कहा जाये। 2. कारक के नाम एवं उसके भेदों का चार्ट /मॉडल बनवाया जाये।
	निबन्ध : रक्षा बन्धन	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.पारिवारिक रिश्तों के महत्व को समझने योग्य बनाना। 3.रक्षा बन्धन पर चर्चा करके अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.छात्रों से 'रक्षा बन्धन'विषय पर हिंदी में चर्चा की जाये। उन्हें अपने विचार हिंदी में प्रस्तुत करने को कहा जाये। 2.उन्हें अधिकाधिक बोलने ,पढ़ने और लिखने के अवसर प्रदान किये जायें। 3.रक्षा बन्धन के अवसर पर उन्हें विभिन्न तरह की राखियाँ बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाये। 4.रक्षा बन्धन पर कोई गीत गाने को कहा जा सकता है।
	व्याकरण : समानार्थक (पर्यायवाची) शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना । 2.स्मरण शक्ति विकसित करना । 3.पर्यायवाची शब्द का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.दैनिक जीवन में प्रयोग में आने वाले कुछ शब्द देकर उनके समानार्थक शब्द लिखवाये जायें या चार्ट बनवायें। 2.जल के अंत में 'ज' लगाकर

			'कमल''द' लगाकर 'बादल'और 'धि' लगाकर 'समुद्र' के पर्यायवाची बनते हैं- इस तरह अथवा अन्य तरीकों से शब्द निर्माण करवाया जाये।
	निबन्ध : स्वतंत्रता दिवस	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2.स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताना। 3. स्वतंत्रता दिवस पर सुन/ देख/ समझकर अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.स्वतंत्रता दिवस पर किसी विशिष्ट व्यक्ति को बुलाकर स्वतंत्रता दिवस का महत्व बताया जाये। 2. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति के गीत, एकांकी, नृत्य,भाषण, फैन्सी ड्रैस प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जा सकता है। 3. स्वतंत्रता दिवस मनाने के बाद छात्रों को अपने शब्दों में निबन्ध लिखने के लिए कहा जाये। 4. अन्य मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पर्वों- गणतन्त्र दिवस,गाँधी जयन्ती आदि की जानकारी दी जाये।
	फारमेटिव-2 मूल्यांकन		
सितम्बर	**अध्यापक दिवस / हिंदी दिवस पर प्रतियोगिताएं करवायी जायें व SA1 की तैयारी एवं परीक्षा (पाठ्यक्रम: अप्रैल-अगस्त)**		
अक्तूबर	**पाठ-11** ईदगाह	1.छात्रों को सभी पर्व बिना किसी भेदभाव के आपस में मिलजुल कर मनाने के लिए प्रोत्साहित करना। 2.बुजुर्गों की सेवा-सुश्रुषा हेतु प्रेरित करना । 3.ईद और ईदगाह से परिचित कराना। 4.कहानी के मूलभूत अंतिम उद्देश्य सत्यम-शिवम-सुन्दरम के समावेश की अनुभूति करवाना।	1.छात्रों से पूछा जाये कि यदि वे हामिद की जगह होते तो अपनी दादी के लिए क्या लाते और क्यों। 2.बच्चों को मुंशी प्रेमचंद जी की कहानियां पढ़ने के लिए कहा जाये। 3.यदि कोई मुस्लिम छात्र कक्षा में हो तो उसके माध्यम से भी पूरी कक्षा को ईद मनाने के बारे में भी बताया जा सकता है।उसके अनुभव कक्षा में बाँटे जायें।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पाठ-12 ज्ञान और मनोरंजन का घर-साइंस सिटी	1.छात्रों को साइंस सिटी के बारें में पूरी जानकारी देना । 2.साइंस सिटी देखने जाने के लिए उत्साहित करना। 3.पंजाब सरकार की छात्रों को मुफ्त में साइंस सिटी दिखाने की योजना से अवगत कराना। 4.वैज्ञानिक सोच को विकसित करना।	1.बच्चों को किसी यात्रा का विवरण हिंदी मे सुनाने के लिए कहना । 2.साइंस सिटी में रुचि विकसित करने हेतु छात्रों को इंटरनेट पर भी इसकी जानकारी दी जा सकती है। 3.यदि किसी छात्र ने इसे पहले ही देखा हुआ है तो उसके अनुभव को कक्षा में साँझा करके भी अन्य छात्रों में भी साइंस सिटी देखने जाने की जिज्ञासा जागृत की जा सकती है। 4.साइंस सिटी सम्बन्धी चित्रों को इकट्ठा करके स्क्रैप बुक में लगवायें।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध - अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान

			करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : विशेषण की पहचान	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को विशेषण शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विशेषण शब्द रेखांकित करवाए जायें। 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विशेषण शब्दों की पहचान करवायी जाये।
	व्याकरण : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना। 2.गागर में सागर भरना अर्थात कम शब्दों में अधिक गहराई से लिखना सिखाना। 3.भाषा का प्रभावशाली प्रयोग करना सिखाना।	1.अधिक से अधिक उदाहरणों द्वारा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का अभ्यास करवाया जाये। 2.अनुच्छेद,पत्र लेखन आदि रचनात्मक लेखन में इनका प्रयोग सिखाया जाये।
	पत्र : आपके चाचा जी द्वारा आपके जन्मदिन पर भेजे उपहार के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए पत्र ।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 4.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	निबन्ध : सत्संगति	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 3.सत्संगति का महत्व बताना। 4. सत्संगति विषय पर सुनकर / समझकर अपने शब्दों में लिखने योग्य बनाना।	1.अच्छे लोगों की संगति करने से क्या लाभ होते हैं ?- इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2.बुरे लोगों की संगति से क्या हानि होती है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। सभी छात्रों से इस सम्बन्धी प्रश्न पूछकर उन्हें कक्षा में सत्संगति पर चर्चा में सक्रिय रूप से भागी दार बनायें। 3.इसके बाद छात्रों को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहा जाये।
	व्याकरण : विशेषण निर्माण	1.शब्द-भंडार में वृद्धि करना। 2.विशेषण निर्माण का व्यावहारिक रूप से ज्ञान देना।	1.संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया और अव्यय शब्दों के उदाहरणों द्वारा विशेषण निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाये। 2.विशेषण निर्माण से सम्बन्धित उदाहरणों का चार्ट बनाया जाये।
	व्याकरण : क्रिया और काल	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रिया और काल का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रिया व काल का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2.पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रिया शब्द रेखांकित करवाये जायें तथा विभिन्न वाक्यों द्वारा तीनों कालों की पहचान करवायी जाये।
नवम्बर	**पाठ -13** माँ (कविता)	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.बच्चों को अपने माता पिता का आदर करने के लिए प्रेरित करना। 3.माँ की ममता को अद्वितीय रूप में दिखाना। 4.वात्सल्य रस से अवगत कराना।	1.कविता में निहित, लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.अपने माता-पिता पर कुछ वाक्य बोलने/लिखने के लिए कहा जाये। 5.छात्रों से 'माँ' पर कोई अन्य कविता

			सुना/ सुनाया जा सकता है।
	व्याकरण : वाच्य	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.वाच्य का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्य देकर वाच्य की पहचान करवायी जाये। 2. वाच्य एवं उसके भेदों का चार्ट बनाया जाये।
	व्याकरण : क्रिया विशेषण	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.क्रियाविशेषण का पारिभाषिक व व्यावहारिक ज्ञान देना।	1.वाक्यों के द्वारा क्रियाविशेषण का समुचित ज्ञान प्रदान किया जाये। 2. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से क्रियाविशेषण शब्द रेखांकित करवाए जाएं । 3.शब्द समूह में से क्रियाविशेषण सम्बन्धी शब्दों को चुनने के लिए कहा जाये।
	पत्र : मित्र के जन्म दिन पर उसे बधाई देते हुए पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3.आत्मविश्वास विकसित करना। 4.सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 5. सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना। 6. इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखाना। 7.बधाई के कार्ड बनाने/खरीदने/बेचने का ज्ञान देना।	1.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 2.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 3.इंटरनेट से बधाई संदेश भेजना सिखायें। 4. विभिन्न अवसरों पर होने वाली ई-कार्ड प्रतियोगिताओं में कार्ड डिज़ाइन करके भेजना सिखाया जा सकता है।
	पाठ-14 सहयोग	1.छात्रों के मन में एक दूसरे के साथ मिलकर काम करने की भावना जगाना। 2.छात्रों को सामाजिकता का पाठ पढ़ाना। 3.उन्हें एन.एस.एस, एन.सी.सी.आदि का सदस्य बनाना। 4.अच्छा नागरिक बनाना ।	1.विद्यार्थियों को अपनी कल्पना के आधार पर 'सहयोग' सम्बन्धी कोई कहानी बोलने/लिखने की प्रेरणा देना । 2.'सहयोग जीवन का मूल मंत्र है- इस विषय पर सभी छात्रों से बारी बारी बोलने के लिए कहा जाये। 3.छात्रों से जाना जाये कि वे घर/स्कूल में किस तरह से सहयोग कर सकते हैं। 4.पढ़ाई में कमज़ोर छात्र की मदद करने को कहा जाये।
	व्याकरण : सम्बन्धबोधक	1. व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को सम्बन्धबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3.रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1. पाठ्य पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से सम्बन्धबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.'रिक्त स्थानों की पूर्ति'/ 'मिलान करो' आदि द्वारा सम्बन्धबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा सम्बन्धबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	निबन्ध : कम्प्यूटर/ मोबाइल के लाभ और हानियाँ	1.छात्रों की रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ाते हुए उन्हें इस योग्य बनाने का प्रयास करना कि वे अपने विचार स्पष्टतापूर्वक,क्रमबद्ध तथा शुद्ध रूप में लिख सकें। 2. कम्प्यूटर/ मोबाइल के लाभ और हानियों से अवगत कराना।	1. कम्प्यूटर/ मोबाइल के प्रयोग करने से क्या लाभ होते हैं ?- इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 2. कम्प्यूटर/ मोबाइल के प्रयोग करने से क्या हानि होती है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाये। 3.सभी छात्रों से इस सम्बन्धी प्रश्न पूछकर उन्हें कक्षा में सत्संगति पर चर्चा में सक्रिय रूप से भागी दार बनायें। 4.इसके बाद छात्रों को अपने शब्दों में लिखने के लिए कहा जाये।
	नोट :संज्ञा,सर्वनाम ,कारक, विशेषण, क्रिया,काल व वाच्य की पहचान की दोहराई करवायी जाये ।		

	फारमेटिव-3 मूल्यांकन		
दिसम्बर	**पाठ-15** वाघा बार्डर	1.बच्चों के मन में राष्ट्रीयता की भावना जगाना। 2.देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने योग्य बनाना। 3.व्यापारिक दृष्टिकोण से वाघा बार्डर का महत्व बताना। 4.बी.एस.एफ के बारे में संक्षेप में ज्ञान देना। 5.रिट्रीट की रस्म से परिचित कराना।	1.छात्रों को वाघा बार्डर देखने जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाये और उन्हें अपने अनुभव एक डायरी में लिखने की प्रेरणा देनी चाहिए। 2.उन अनुभवों को कक्षा में बाँटा जाये। 3.रिट्रीट की रस्म के बारे में उन्हें पूरा ज्ञान दिया जाये। 3.क्या वाघा बार्डर को सैलानी केन्द्र बनाने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा अथवा नहीं-इस पर भी कक्षा में चर्चा की जाये।
	पाठ-16 गिरधर की कुंडलियाँ	1.सौन्दर्यानुभूति व आनन्दानुभूति जागृत करना। 2.छात्रों की अनुभूति और कल्पना शक्ति का विकास करना। 3.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करवाना। 4.छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करना। 5.कुण्डलियाँ छंद का सामान्य ज्ञान देना।	1.कविता में निहित लयात्मकता,आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.छात्रों से कविता का समूह गान करवाया जा सकता है। 3. छात्रों को कुण्डलियाँ छंद का ज्ञान देते हुए अन्य कुण्डलियाँ छंद का प्रयोग करने वाले प्रसिद्ध कवि जैसे-कपिल कुमार ,त्रिलोक सिंह ठकुरेला आदि की कुण्डलियाँ भी पढ़ने को दी जायें। 3.कविता का सरलार्थ करवाया जाये।
	व्याकरण : समुच्यबोधक (योजक)	1. व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को समुच्यबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3.रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से समुच्यबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' / 'मिलान करो' आदि द्वारा समुच्यबोधक की पहचान करवायी जाये। 3.छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा समुच्यबोधक का प्रयोग सिखाया जाये।
	व्याकरण : विराम चिह्न	1.व्याकरण ज्ञान में वृद्धि करना । 2. विराम चिह्नों का व्यावहारिक ज्ञान देना। 3. विराम चिह्नों का महत्व बताना।	1. अधिकाधिक वाक्यों के द्वारा विराम-चिह्नों के उदाहरण करवाये जायें। 2.विराम चिह्नों का चार्ट बनवायें।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	नोट : लिंग परिवर्तन,वचन परिवर्तन,भाववाचक,विशेषण निर्माण,विपरीतार्थक, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द व पर्यायवाची शब्दों की दोहराई करवायी जाये ।		
जनवरी	**पाठ-17** मेरा दम घुटता है	1.बच्चों को प्रदूषण की समस्याआ के प्रति जागरूक करना और उसके समाधान के लिए प्रेरित करना। 2.रोचक ढंग से छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना। 3.निर्देशन,मेकअप,अभिनय आदि कलाओं में प्रवीण बनाना ।	1.छात्रों को विभिन्न गैसों आदि के पात्र बनाकर इस संवादात्मक पाठ को स्कूल मंच पर मंचित करवाया जाये। 2. 'पर्यावरण बचाओ' विषय पर पेंटिंग, नारा लेखन,भाषण,लेख,कविता ,एकांकी आदि प्रतियोगिताएं करवायी जायें।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध-अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये।

			2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3. 'रिक्त स्थानों की पूर्ति' अथवा 'मिलान करो' आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशुद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	व्याकरण : विस्मयादिबोधक	1.व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना। 2.छात्रों को विस्मयादिबोधक शब्दों की पहचान और प्रयोग के योग्य बनाना। 3. रचनात्मक लेखन को प्रभावशाली बनाने की प्रेरणा देना।	1.पाठ्य-पुस्तक का कोई पृष्ठ देकर उसमें से विस्मयादिबोधक शब्द रेखांकित करवाए जायें । 2.रिक्त स्थानों की पूर्ति / मिलान करो आदि द्वारा विस्मयादिबोधक की पहचान करवायी जाये। 3. विस्मयादिबोधक का छोटे-छोटे वाक्यों द्वारा प्रयोग सिखाया जाये।
	पाठ-18 अन्तरिक्ष परी कल्पना चावला	1.बच्चों के मन में वैज्ञानिक सोच उत्पन्न करना। 2.साइंस में विभिन्न प्रकार के रोज़गार के अवसरों की जानकारी देना। 3.अन्तरिक्ष संबंधी सामान्य जानकारी देना 4. अन्तरिक्ष परी कल्पना चावला के जीवन के प्रेरक प्रसंगों की झाँकी प्रस्तुत करना।	1.छात्रों से उनके जीवन के लक्ष्य के बारे में चर्चा की जाये ।सभी छात्रों से उनके लक्ष्य को जानकर उनका सही मार्गदर्शन किया जाये। 2.बच्चों को भारतीय महिला वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दी जाए।उनके नाम कॉपी में लिखने को कहा जाये। 3.यदि संभव हो तो उन्हें किसी ऐसे शिक्षण संस्था में ले जाया जाये,जहाँ एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती हो ताकि उन्हें एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग सम्बन्धी समुचित जानकारी मिल सके।
	अनुवाद : पंजाबी से हिंदी वाक्यों का अनुवाद	1.अनुवाद का महत्व बताना। 2.स्रोत भाषा व लक्ष्य भाषा के बारे में जानकारी देना। 3.पंजाबी व हिंदी के ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर का ज्ञान देना ।	1.पंजाबी व हिंदी की ध्वन्यात्मक व व्याकरणिक अंतर के भिन्न-भिन्न उदाहरणों का शब्द व वाक्य पर आधारित चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के अधिकाधिक वाक्य देकर उनका हिंदी में अनुवाद करवाया जाये।
	पत्र : अपने मित्र को स्कूल में मनाए गणतन्त्र दिवस के बारे में बताते हुए पत्र।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.दैनिक जीवन में बच्चों को पत्र लिखने के योग्य बनाना । 3. राष्ट्रीय पर्वों का महत्व बताना। 4. सामाजिक व मेल जोल की भावना विकसित करना। 5.देश के संविधान के प्रति निष्ठावान बनाना।	1.अनौपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से पत्र लिखवाया जाये व पुन: घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है। 5.26 जनवरी को गणतन्त्र दिवस पर छात्रों को बोलने के पर्याप्त अवसर दिये जायें।
	निबन्ध : स्वच्छता अभियान	1.रचनात्मक प्रवृति का विकास करना। 2. देशप्रेम की भावना का विकास करना। 3. सफाई का महत्व बताना। 4.सफाई अभियान में क्रियाशील बनाना।	1.देश व्यापी लहर 'स्वच्छता अभियान' पर सफाई अभियान सम्बन्धी विचारों को सुनना/सुनाना। 2. स्वच्छता अभियान सम्बन्धी नारे लिखवाये जायें। 3. स्वच्छता अभियान में जागरूकता फैलाने के लिए एक टीम बनायें जो कि इस अभियान को क्रियान्वित रूप दे। 4.नेताओं/अधिकारियों /प्रशासन/स्कूल प्रशासन आदि द्वारा चलाए सफाई अभियान में अपनी भागीदारी बनायें।
फारमेटिव-4 मूल्यांकन			

फरवरी	**पाठ-19** होंगे कामयाब	1.छात्रों को कविता का रसास्वादन कराते हुए कविता का सरलार्थ करना सिखाना। 2.उनकी अनुभूति और कल शक्ति का विकास करना। 3.जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणाा देना। 4.बच्चों को जीवन में कामयाब होने के लिए मन में विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना ।	1.कविता में निहित , लयात्मकता, आरोह-अवरोह व हाव भाव को ध्यानपूर्वक सुनकर कविता का सस्वर वाचन करवाया जाये। 2.कविता का समूह गान करवाया जाये। 3. कविता का सरलार्थ करवाया जाये। 4.जीवन में कामयाब होने के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है-इस विषय पर छात्रों को हिंदी में बोलने/ लिखने के अवसर दिये जायें।
	व्याकरण : मुहावरे /लोकोक्तियाँ	1.व्याकरण में रुचि पैदा करते हुए एवं शब्द भंडार बढ़ाते हुए मुहावरों / लोकोक्तियों के विषय में जानकारी देते हुए सरल वाक्य बनाने में सहायता करना। 2.भाषा को प्रभावशाली से प्रयोग करना सिखाना।	1.बारी-बारी से सभी विद्यार्थियों से मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ और प्रयोग सम्बन्धी अभ्यास करवाया जाये ताकि कक्षा में सभी की भागीदारी बनी रहे। 2.मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ व वाक्य सहित चार्ट बनवायें।
	पाठ-20 सरफरोशी की तमन्ना	1.बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित करवाना । 2. महान क्राँतिकारी देशभक्तों की कुर्बानियों से परिचित कराना। 3. देशभक्ति की भावना उत्पन्न करना ।	1.इस एकांकी को राष्ट्रीय पर्वों पर सुविधानुसार मंचित किया जाये। 2.विद्यार्थियों को पूछा जाये कि यदि उन्होंने गुलाम भारत में जन्म लिया होता तो वे कैसे देश की आज़ादी में योगदान देते ।उन्हें इस सम्बन्ध में हिंदी में बोलने / लिखने का अवसर दिया जाये। 3.छात्रों को देशभक्ति गीत सुनाने के लिए भी कहा जा सकता है। 4.सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,देखना है ज़ोर कितना बाजुए कातिल में है-इन पंक्तियों को अध्यापक द्वारा स्वयं पूरे जोश से बोला / पढ़ा जाये और छात्रों द्वारा इसका उसी जोश के साथ अनुकरण किया जाये।
	व्याकरण : नए शब्दों का निर्माण	1.नए शब्दों का निर्माण सिखाना। 2.शब्द-भंडार में वृद्धि करना।	1.वर्णों को जोड़कर , शब्दों को जोड़कर, शब्द में छिपे अन्य शब्दों को ढूंढ़कर व अन्य किसी खेल विधि से नए शब्दों का निर्माण करना सिखाया जाये। 2.उन्हें समूह में बाँटकर ,सोचकर नए शब्द बनाने के अवसर दिए जायें। 3.वर्ग पहेली द्वारा भी नये शब्द बनाने सिखाये जा सकते हैं।
	व्याकरण : शुद्ध-अशुद्ध	1.भाषा का समुचित ज्ञान देना। 2.उच्चारण और शुद्ध वर्तनी का ज्ञान देना।	1.पाठ्य-पुस्तक व दैनिक जीवन में से कुछ शब्द देकर छात्रों को शुद्ध-अशुद्ध का ज्ञान दिया जाये। 2.मिलते जुलते शब्दों को लिखने का अभ्यास करवाया जाये। 3.रिक्त स्थानों की पूर्ति अथवा मिलान करो आदि गतिविधियों द्वारा वर्णों की पहचान करवाकर अशद्धियाँ दूर करने का प्रयास किया जाये।
	पत्र : छुट्टी वाले दिन स्कूल के क्रीड़ाक्षेत्र (प्ले ग्राउंड)में क्रिकेट मैच खेलने की अनुमति लेने के लिए	1.प्रार्थना पत्र लिखने की विधि का ज्ञान देना। 2.व्यावहारिक जीवन में छात्रों को प्रार्थना पत्र लिखने के योग्य बनाना। 3.आत्मविश्वास जागृत करना। 4.नेतृत्व की भावना जागृत करना। 5.सुनकर बोलने और फिर अपने शब्दों में	1.औपचारिक पत्रों को लिखने की विधि का चार्ट बनाया जाये। 2.पंजाबी के प्रार्थना पत्र का उदाहरण देकर समझाया जाये। 3.सम्बन्धित विषय पर चर्चा करके छात्रों से प्रार्थना पत्र लिखवाया जाये व पुन:

	प्रिंसिपल को प्रार्थना पत्र।	लिखने की ओर धीरे-धीरे प्रवृत्त करना।	घर से लिखकर लाने के लिए दिया जाये। 4.अभ्यास हेतु बच्चों से इसी प्रकार का कोई पत्र भी लिखवाया जा सकता है।
	व्याकरण की दोहराई करवायी जाये।		
मार्च	**दोहराई और संकलित मूल्यांकन-2 की तैयारी (अक्तूबर से फरवरी का पाठ्यक्रम)**		

नोट : 1.उपर्युक्त के अतिरिक्त पाठों के अभ्यास करवाये जायें।

2.अभ्यास गत अन्य प्रश्नों के साथ-साथ गुरुमुखी लिपि से देवनागरी लिपि में लिप्यंत्रण और पंजाबी भाषा के शब्दों का हिंदी भाषा में अनुवाद करवाया जाये।

3.छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ समझाये जायें।

4. उपर्युक्त प्रस्तावित क्रियाओं के अतिरिक्त अध्यापक अन्य सम्भावित समुचित क्रियाओं को भी सुविधानुसार करवा सकता है।